CHAPTER 12, चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती

PAGE 162, प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:1

1. चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता पर बजर गिरे?

उत्तर : ' बजर गिरने का अर्थ है वज्र गिरना अर्थात् सर्वनाश होना। 'बजर' वज्र का अपभ्रंश है। चंपा को लगता था कि जो कलकत्ता जाता है। वह वहीँ के चकाचौंध में फंसकर रह जाता है और फिर कभी निकल ही नहीं पाता। कलकत्ता शहर लोगों का बसा-बसाया घर और परिवार तोड़ देता है। इसीलिए चंपा नहीं चाहती थी कि उसका पति उसे छोड़कर कमाने के लिए कलकत्ता जाए। वह यह कहती है कि कलकत्ता शहर शोषण का प्रतीक है क्योँकि यह लोगो का घर तोड़ता है। इस शोषण से आम आदमी का जीवन नष्ट हो जाता है। चंपा अपने पति से अलग नहीं होना चाहती है इसलिए वह कलकत्ता शहरपर बज़र प्राथना करती है।

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ:2

2. चंपा को इस पर क्यों विश्वास नहीं होता कि गांधी बाबा ने पढ़ने-लिखने की बात कही होगी?

उत्तर : चंपा का विचार है कि कोई भी व्यक्ति पढ़ने लिखने के बाद घर छोड़कर चला जाता है। अतः पढ़ना लिखना एक बुरा कार्य है। गाँधी जी हमेशा कहते थे की देश की आत्मा गावों में बसती है। ग्रामीण जीवन पर गाँधी जी का बहोत प्रभाव था। वह हमेशा लोक कल्याण की बात करते थे। इसलिए चंपा इस बात भरोसा नहीं करती की गाँधी जी पढाई-लिखाई की बात करते है। वह सोचती है जब पढाई लिखाई से कोई भला नहीं होता तो गाँधी जी पढाई-लिखाई की बात कैसे कर सकते है। ये तो बिलकुल ही उनके व्यक्तित्व के विपरीत कार्य है।

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविताकेसाथ:3

3. कवि ने चंपा की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

उत्तर : कवि ने चंपा की निम्नलिखित विशेषताओं का वर्णन किया है:

1. निरक्षर चंपा को अक्षर मात्र एक काले चिन्ह लगते हैं, और वो हमेशा निरक्षर ही रहना चाहती है।
2. शरारती स्वभाव है उसका, अक्सर कवि के कागज.पेन छिपा देती है।
3. वह भोली है,अक्सर कवि को पढ़ते हुए हैरानी से देखती रहती है।
4. स्पष्ट-वादिनी है,अपनी बात को घुमा-फिरा कर नहीं कहती।
5. उसका स्वभाव विद्रोही किस्म का है। उसे लगता है बल्कि पता है कि शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार को छोड़कर दूसरे शहर चला जाता है। अतः वह कहती कि “कलकत्ता पर बजर (वज्र) गिरे।
6. वह बहुत मेहनती है,प्रतिदिन दुधारू पशुओं को चराने ले जाती है।
7. चंपा में परिवार के साथ मिलकर रहने की भावना है। वह परिवार को तोड़ना नहीं चाहती।

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविता के साथ:4

4. आपके विचार में चंपा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मैं तो नहीं पढ़ूँगी?

उत्तर : अब तक चंपा के अनुभव से, उसने सीखा है कि पत्येक व्यक्ति पढ़ने लिखने के बाद घर छोड़कर परदेश जाकर रहने लगता है। इसी कारण घर टूट कर बिखर जाते है। वह यह भी जानती है की शिक्षित लोग घमण्डी और कपटी होते है। पढ़े-लिखे लोग परिवार जाते है। महानगरों में जाने वाले लोगों के परिवार वाले वियोग की पीड़ा सहते है। इन्ही सब कारणों के वजह से उसने कहा होगा की वह नहीं पड़ेगी।

PAGE 163, प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:1

5. यदि चंपा पढ़ी-लिखी होती, तो कवि से कैसे बातें करती?

उत्तर : यदि चम्पा शिक्षित होती तो कवि से निश्छलता और सहज भाव से बात नहीं करती। वह बात को बनावटीपन से कहती। हर बात वह फायदा और नुकसान का आंकलन करने के बाद बोलती। उसके अंदर यह सहज विद्रोह दिखाई नहीं देता।

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास:2

6. इस कविता में पूर्वी प्रदेशों की स्त्रियों की किस विडंबनात्मक स्थिति का वर्णन हुआ है?

उत्तर : यह कविता पूर्वी क्षेत्रों की महिलाओं की पीड़ा को व्यक्त करने का प्रयास करती है। इस कविता में कवि पूर्वी क्षेत्र की महिलाओं के व्यवहार में सहजता, मासूमियत, भावुकता और सरलता का भी वर्णन करता है। पुर्वी क्षेत्र की महिलाओं की पीड़ा यह है की वहां के युवक रोजगार की तलाश में बड़े शहरों में जाते है। वहां की चमका देखकर वही के होकर रह जाते है। उन्हें ये भी ध्यान नहीं रहता की उसके परिवार के लोग उसके वियोग में कितनी पीड़ा सह रहे है। स्त्रियां अनपढ़ है इसलिए वे अपने पति की चिठियाँ भी नहीं पढ़ पाती है और न ही भेज पाती है।

11:1:16:प्रश्न - अभ्यास - कविता के आसपास: 3

7. संदेश ग्रहण करने और भेजने में असमर्थ होने पर एक अनपढ़ लड़की को किस वेदना और विपत्ति को भोगना पड़ता है, अपनी कल्पना से लिखिए।

उत्तर : संदेश प्राप्त करने और भेजने में असमर्थ होने पर एक अनपढ़ स्त्री को असहनीय दर्द सहना पड़ता है। वह अपने मन की बात किसी से नहीं कह सकती और अपने प्यार के बारे में कुछ नहीं बता सकती। उसे मजबूरन अकेलेपन का दर्द झेलना पड़ा तथा वह दर्द में झुलसने को मजबूर होती है। स्त्री अपने पति के पत्र को किसी और से नहीं पढ़वा सकती क्योँकि उसे सार्वजनिक शर्म का डर है।

8. त्रिलोचन पर एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा बनाई गई फ़िल्म देखिए ।